नीम के पेड़ के संबंध में अनुसंधान

*155. **चौधरी हरमोहन सिंह :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने एड्स तथा कैंसर रोग पर नियंत्रण हेतु नीम के पेड़ के संबंध में अनुसंधान के महत्व पर बल दिया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार को इस दिशा में कितनी सफलता मिली है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सिल्वेरा) : (क) से (ग) नीम की बहुविज्ञता और व्यापक प्रयोज्यता के कारण इसकी ओर सारे विश्व का ध्यान आकृष्ट हो रहा है। तथापि अब तक यह सुझाने के कोई निर्णायक प्रमाण नहीं हैं कि नीम को कसर और एड्स के नियंत्रण के लिए एक कारक के रूप में उपयोग में लाया जा सकता है और अब तक किए गए अध्ययन केवल प्राइमाइशी पशुओं पर किए गए हैं।

गुरु जल का उत्पादन

*156. **श्री मूलचन्द मीणा :**
श्री अजीत पी०के० जोगी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1993-94 और 1994-95 के दौरान देश में प्रत्येक गुरू जल संयंत्र की अनुमानित उत्पादन क्षमता कितनी-कितनी थी, और प्रत्येक संयंत्र में वास्तव में गुरू जल का कितना-कितना उत्पादन हुआ;

(ख) क्या गुरू जल के उत्पादन में कमी आई है, यदि हां, तो उसका संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन संयंत्रों में उत्पादन बढ़ाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है ?

प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश चतुर्वेदी) : (क) वर्ष 1993-94 और 1994-95 के दौरान देश के प्रत्येक भारी पानी संयंत्र की प्रभावी क्षमता का ब्यौरा नीचे दिया जा रहा है :—

भारी पानी संयंत्र	प्रभावी वार्षिक क्षमता (मीटरी टन)
नांगल . . .	8
बडौदा . . .	45
तूतीकोरिन . . .	49
थाल . . .	110
हज़ीरा . . .	110
तलचर . . .	62.5
कोटा . . .	85
मानुगुरू . . .	185

भारी पानी चूंकि एक सामरिक महत्व की सामग्री है, इसलिए वास्तविक उत्पादन के बारे में आंकड़े बताना राष्ट्रीय-हित में नहीं है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) विभिन्न संयंत्रों में उत्पादन में सुधार लाने के लिए किए गए प्रयास निम्नलिखित हैं :—

अमोनियां गैस पर आधारित भारी पानी संयंत्र

(i) उन उर्वरक संयंत्रों से, जिनसे ये संयंत्र जुड़े हुए हैं, प्राप्त होने वाली संश्लेषण गैस में ड्यूटी रियम के अंश को, उर्वरक संयंत्र में सांद्र के अपेक्षाकृत बेहतर प्रबन्धन के जरिए बढ़ाना।

(ii) संश्लेषण गैस में अशुद्धताओं की मात्रा को नियंत्रित करना।

(iii) परिचालन प्राचलों पर अधिक सूक्ष्मता से नियंत्रण रहना।

(iv) क्रैकरों की क्षमता में सुधार लाना।

हाइड्रोजन सल्फाइड गैस पर आधारित संयंत्र

वाष्प और बिजली की उपलब्धता में वृद्धि करना।

Mismanagement in Patel Chest Institute

*157. SHRI ANANT RAM JAISWAL:
SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that no patient has been admitted in the Patel Chest Institute, the country's premier hospital on chest-related diseases, for the past two years, as a result, all the beds provided in its inpatient ward have been lying vacant;

(b) if so, what are the reasons therefor and whether Government have made any enquiry into the whole affair and mismanagement by the hospital administration which has led to its rapid decadence; and

(c) if so, what are the details thereof stating the outcome, if any, of the enquiry and the remedial steps taken by Government to improve the situation/condition of the Institute?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. C. SILVERA): (a) to (c) The inpatient facilities in Vallabhbhai Patel Chest Institute (VPCI) have been non-functional for the past 2 years due to 1 lack of adequate facilities for taking care of indoor patients. The position was reviewed in the Ministry in November 1994 and again in December, 1994. It was decided to augment grants to this Institute to facilitate restarting of in door patient services as well as upgradation of facilities.

जम्मू और कश्मीर में गिरफ्तार किए गए विदेशी आतंकवादी

*158. श्री शंकर दयाल सिंह :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले वर्ष जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में ऐसे कितने आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया, जो कि भारतीय नागरिक नहीं थे ;

(ख) गिरफ्तार किये गये आतंकवादियों में से कितने पाकिस्तानी नागरिक हैं और कितने अन्य देशों के ; और

(ग) क्या सरकार ने उन देशों के प्रति कोई विरोध प्रकट किया है, यदि हां, तो उन पर उन देशों की क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश चतुर्वेदी) : (क) उपलब्ध सूचना के अनुसार वर्ष 1994 के दौरान जम्मू और कश्मीर राज्य में 32 विदेशी आतंकवादी/भाड़े के सैनिकों को गिरफ्तार किया गया।

(ख) इनमें से 23 पाकिस्तान/पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के तथा 9 अफगानिस्तान के हैं।

(ग) कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के उद्देश्य से पाकिस्तान द्वारा अपने राष्ट्रिकों और विदेशियों की घुसपैठ कराने के साथ-साथ आतंकवाद को लगातार उकसाने से बाज आने के लिए पाकिस्तान से लगातार अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद के ऐसे कट्टर और घृणित कुकृत्यों को रोकने तथा इसमें सबका सहयोग प्राप्त करने के लिए मामले को अन्य देशों के साथ राजनैतिक स्तर पर भी नियमित रूप से उठाया गया है।